**---無上甚深微妙法，百千萬劫難遭遇，我今見聞得受持，願解如來真實義。---**

**觀世音菩薩普門品**

**弟子：　　　　　　　　　　　　　　　第　　　遍於民國　　年　　月　　日抄誦**

## 1.([本段白話註解](../law-book/觀世音普門品講義.docx#a1))

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | 爾 | 時 | 無 | 盡 | 意 | 菩 | 薩 | ， | 即 | 從 | 座 | 起 | ， | 偏 | 袒 | 右 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 肩 | ， | 合 | 掌 | 向 | 佛 | ， | 而 | 作 | 是 | 言 | ： | 「 | 世 | 尊 | ！ |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 觀 | 世 | 音 | 菩 | 薩 | 以 | 何 | 因 | 緣 | 名 | 觀 | 世 | 音 | ？ | 」 | 佛 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 佛 | 告 | 無 | 盡 | 意 | 菩 | 薩 | ： | 「 | 善 | 男 | 子 | ， | 若 | 有 | 無 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 量 | 百 | 千 | 萬 | 億 | 眾 | 生 | ， | 受 | 諸 | 苦 | 惱 | ， | 聞 | 是 | 觀 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 世 | 音 | 菩 | 薩 | ， | 一 | 心 | 稱 | 名 | ， | 觀 | 世 | 音 | 菩 | 薩 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 即 | 時 | 觀 | 其 | 音 | 聲 | ， | 皆 | 得 | 解 | 脫 | 。 | 若 | 有 | 持 | 是 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 觀 | 世 | 薩 | 名 | 者 | ， | 設 | 入 | 大 | 火 | ， | 火 | 不 | 能 | 燒 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 由 | 是 | 菩 | 薩 | 威 | 神 | 力 | 故 | 。 | 若 | 為 | 大 | 水 | 所 | 漂 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 稱 | 其 | 名 | 號 | ， | 即 | 得 | 淺 | 處 | 。 | 若 | 有 | 百 | 千 | 萬 | 億 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 眾 | 生 | ， | 為 | 求 | 金 | 、 | 銀 | 、 | 琉 | 璃 | 、 | 硨 | 磲 | 、 | 瑪 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 瑙 | 、 | 珊 | 瑚 | 、 | 琥 | 珀 | 、 | 真 | 珠 | 等 | 寶 | ， | 入 | 於 | 大 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 海 | ， | 假 | 使 | 黑 | 風 | 吹 | 其 | 船 | 舫 | ， | 飄 | 墮 | 羅 | 剎 | 鬼 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 國 | ， | 其 | 中 | 若 | 有 | 乃 | 至 | 一 | 人 | ， | 稱 | 觀 | 世 | 音 | 菩 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 薩 | 名 | 者 | ， | 是 | 諸 | 人 | 等 | ， | 皆 | 得 | 解 | 脫 | 羅 | 剎 | 之 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 難 | 。 | 以 | 是 | 因 | 緣 | ， | 名 | 觀 | 世 | 音 | 。 | 若 | 復 | 有 | 人 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 臨 | 當 | 被 | 害 | ， | 稱 | 觀 | 世 | 音 | 菩 | 薩 | 名 | 者 | ， | 彼 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 所 | 執 | 刀 | 杖 | ， | 尋 | 段 | 段 | 壞 | ， | 而 | 得 | 解 | 脫 | 。 | 若 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 三 | 千 | 大 | 千 | 國 | 土 | ， | 滿 | 中 | 夜 | 叉 | ， | 羅 | 剎 | ， | 欲 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 來 | 惱 | 人 | ， | 聞 | 其 | 稱 | 觀 | 世 | 音 | 菩 | 薩 | 名 | 者 | ， | 是 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 諸 | 惡 | 鬼 | ， | 尚 | 不 | 能 | 以 | 惡 | 眼 | 視 | 之 | ， | 況 | 復 | 加 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 害 | ？ | 設 | 復 | 有 | 人 | ， | 若 | 有 | 罪 | ， | 若 | 無 | 罪 | ， | 杻 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 械 | 枷 | 鎖 | ， | 檢 | 繫 | 其 | 身 | ， | 稱 | 觀 | 世 | 音 | 菩 | 薩 | 名 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 者 | ， | 皆 | 悉 | 斷 | 壞 | ， | 即 | 得 | 解 | 脫 | 。 |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

## 2.([本段白話註解](../law-book/觀世音普門品講義.docx#a2))

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | 若 | 三 | 千 | 大 | 千 | 國 | 土 | ， | 滿 | 中 | 怨 | 賊 | ， | 有 | 一 | 商 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 主 | ， | 將 | 諸 | 商 | 人 | ， | 齎 | 持 | 重 | 寶 | ， | 經 | 過 | 險 | 路 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 其 | 中 | 一 | 人 | ， | 作 | 是 | 唱 | 言 | ： | 『 | 諸 | 善 | 男 | 子 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ！ | 勿 | 得 | 恐 | 怖 | ！ | 汝 | 等 | 應 | 當 | 一 | 心 | 稱 | 觀 | 世 | 音 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 菩 | 薩 | 名 | 號 | ， | 是 | 菩 | 薩 | 能 | 以 | 無 | 畏 | 施 | 於 | 眾 | 生 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 汝 | 等 | 若 | 稱 | 名 | 者 | ， | 於 | 此 | 怨 | 賊 | ， | 當 | 得 | 解 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 脫 | ！ | 』 | 眾 | 商 | 人 | 聞 | ， | 俱 | 發 | 聲 | 言 | ： | 『 | 南 | 無 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 觀 | 世 | 音 | 菩 | 薩 | ！ | 』 | 稱 | 其 | 名 | 故 | ， | 即 | 得 | 解 | 脫 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ！ | 無 | 盡 | 意 | ， | 觀 | 世 | 音 | 菩 | 薩 | 摩 | 訶 | 薩 | ， | 威 | 神 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 之 | 力 | ， | 巍 | 巍 | 如 | 是 | 。 | 若 | 有 | 眾 | 生 | ， | 多 | 於 | 淫 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 欲 | ， | 常 | 念 | 恭 | 敬 | 觀 | 世 | 音 | 菩 | 薩 | ， | 便 | 得 | 離 | 欲 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 。 | 若 | 多 | 瞋 | 恚 | ， | 常 | 念 | 恭 | 敬 | 觀 | 世 | 音 | 菩 | 薩 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 便 | 得 | 離 | 瞋 | 。 | 若 | 多 | 愚 | 癡 | ， | 常 | 念 | 恭 | 敬 | 觀 | 世 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 音 | 菩 | 薩 | ， | 便 | 得 | 離 | 癡 | 。 | 無 | 盡 | 意 | ！ | 觀 | 世 | 音 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 菩 | 薩 | ， | 有 | 如 | 是 | 等 | 大 | 威 | 神 | 力 | ， | 多 | 所 | 饒 | 益 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 是 | 故 | 眾 | 生 | ， | 常 | 應 | 心 | 念 | 。 | 若 | 有 | 女 | 人 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 設 | 欲 | 求 | 男 | ， | 禮 | 拜 | 供 | 養 | 觀 | 世 | 音 | 菩 | 薩 | ， | 便 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 生 | 福 | 德 | 智 | 慧 | 之 | 男 | ， | 設 | 欲 | 求 | 女 | ， | 便 | 生 | 端 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 正 | 有 | 相 | 之 | 女 | ， | 宿 | 植 | 德 | 本 | ， | 眾 | 人 | 愛 | 敬 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 無 | 盡 | 意 | ！ | 觀 | 世 | 音 | 菩 | 薩 | ， | 有 | 如 | 是 | 力 | 。 | 若 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 有 | 眾 | 生 | ， | 恭 | 敬 | 禮 | 拜 | 觀 | 世 | 音 | 菩 | 薩 | ， | 福 | 不 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 唐 | 捐 | ， | 是 | 故 | 眾 | 生 | ， | 皆 | 應 | 受 | 持 | 觀 | 世 | 音 | 菩 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 薩 | 名 | 號 | 。 | 」 | 無 | 盡 | 意 | ！ | 若 | 有 | 人 | 受 | 持 | 六 | 十 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 二 | 億 | 恒 | 河 | 沙 | 菩 | 薩 | 名 | 字 | ， | 復 | 盡 | 形 | 供 | 養 | 飲 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 食 | 、 | 衣 | 服 | 、 | 臥 | 具 | 、 | 醫 | 藥 | ， | 於 | 汝 | 意 | 云 | 何 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ？ | 是 | 善 | 男 | 子 | ， | 善 | 女 | 人 | ， | 功 | 德 | 多 | 不 | ？ | 」 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 無 | 盡 | 意 | 言 | ： | 「 | 甚 | 多 | 世 | 尊 | ！ | 」 | 佛 | 言 | ： | 「 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 若 | 復 | 有 | 人 | 受 | 持 | 觀 | 世 | 音 | 菩 | 薩 | 名 | 號 | ， | 乃 | 至 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 一 | 時 | 禮 | 拜 | 供 | 養 | ， | 是 | 二 | 人 | 福 | ， | 正 | 等 | 無 | 異 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 於 | 百 | 千 | 萬 | 億 | 劫 | ， | 不 | 可 | 窮 | 盡 | 。 |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

## 3.([本段白話註解)](../law-book/觀世音普門品講義.docx#a3)

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | 無 | 盡 | 意 | ！ | 受 | 持 | 觀 | 世 | 音 | 菩 | 薩 | 名 | 號 | ， | 得 | 如 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 是 | 無 | 量 | 無 | 邊 | 福 | 德 | 之 | 利 | 。 | 」 | 無 | 盡 | 意 | 菩 | 薩 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 白 | 佛 | 言 | ： | 「 | 世 | 尊 | ！ | 觀 | 世 | 音 | 菩 | 薩 | ， | 云 | 何 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 遊 | 此 | 娑 | 婆 | 世 | 界 | ？ | 云 | 何 | 而 | 為 | 眾 | 生 | 說 | 法 | ？ |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 方 | 便 | 之 | 力 | 其 | 事 | 云 | 何 | ？ | 」 | 佛 | 告 | 無 | 盡 | 意 | 菩 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 薩 | ： | 「 | 善 | 男 | 子 | ！ | 若 | 有 | 國 | 土 | 眾 | 生 | ， | 應 | 以 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 佛 | 身 | 得 | 度 | 者 | ， | 觀 | 世 | 音 | 菩 | 薩 | 即 | 現 | 佛 | 身 | 而 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 為 | 說 | 法 | 。 | 應 | 以 | 辟 | 支 | 佛 | 身 | 得 | 度 | 者 | ， | 即 | 現 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 辟 | 支 | 佛 | 身 | 而 | 為 | 說 | 法 | 。 | 應 | 以 | 聲 | 聞 | 身 | 得 | 度 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 者 | ， | 即 | 現 | 聲 | 聞 | 身 | 而 | 為 | 說 | 法 | 。 | 應 | 以 | 梵 | 王 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 身 | 得 | 度 | 者 | ， | 即 | 現 | 梵 | 王 | 身 | 而 | 為 | 說 | 法 | 。 | 應 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 以 | 帝 | 釋 | 身 | 得 | 度 | 者 | ， | 即 | 現 | 帝 | 釋 | 身 | 而 | 為 | 說 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 法 | 。 | 應 | 以 | 自 | 在 | 天 | 身 | 得 | 度 | 者 | ， | 即 | 現 | 自 | 在 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 天 | 身 | 而 | 為 | 說 | 法 | 。 | 應 | 以 | 大 | 自 | 在 | 天 | 身 | 得 | 度 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 者 | ， | 即 | 現 | 大 | 自 | 在 | 天 | 身 | 而 | 為 | 說 | 法 | 。 | 應 | 以 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 天 | 大 | 將 | 軍 | 身 | 得 | 度 | 者 | ， | 即 | 現 | 天 | 大 | 將 | 軍 | 身 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 而 | 為 | 說 | 法 | 。 | 應 | 以 | 毘 | 沙 | 門 | 身 | 得 | 度 | 者 | ， | 即 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 現 | 毘 | 沙 | 門 | 身 | 而 | 為 | 說 | 法 | 。 | 應 | 以 | 小 | 王 | 身 | 得 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 度 | 者 | ， | 即 | 現 | 小 | 王 | 身 | 而 | 為 | 說 | 法 | 。 | 應 | 以 | 長 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 者 | 身 | 得 | 度 | 者 | ， | 即 | 現 | 長 | 者 | 身 | 而 | 為 | 說 | 法 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 應 | 以 | 居 | 士 | 身 | 得 | 度 | 者 | ， | 即 | 現 | 居 | 士 | 身 | 而 | 為 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 說 | 法 | 。 | 應 | 以 | 宰 | 官 | 身 | 得 | 度 | 者 | ， | 即 | 現 | 宰 | 官 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 身 | 而 | 為 | 說 | 法 | 。 | 應 | 以 | 婆 | 羅 | 門 | 身 | 身 | 度 | 者 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 即 | 現 | 婆 | 羅 | 門 | 身 | 而 | 為 | 說 | 法 | 。 | 應 | 以 | 比 | 丘 | 、 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 比 | 丘 | 尼 | 、 | 優 | 婆 | 塞 | 、 | 優 | 婆 | 夷 | 身 | 得 | 度 | 者 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 即 | 現 | 比 | 丘 | 、 | 比 | 丘 | 尼 | 、 | 優 | 婆 | 塞 | 、 | 優 | 婆 | 夷 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 身 | 而 | 為 | 說 | 法 | 。 | 應 | 以 | 長 | 者 | 、 | 居 | 士 | 、 | 宰 | 官 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 、 | 婆 | 羅 | 門 | 、 | 婦 | 女 | 身 | 得 | 度 | 者 | ， | 即 | 現 | 婦 | 女 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 身 | 而 | 為 | 說 | 法 | 。 | 應 | 以 | 童 | 男 | 、 | 童 | 女 | 身 | 得 | 度 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 者 | ， | 即 | 現 | 童 | 男 | 、 | 童 | 女 | 身 | 而 | 為 | 說 | 法 | 。 | 應 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 以 | 天 | 、 | 龍 | 、 | 夜 | 叉 | 、 | 乾 | 闥 | 婆 | 、 | 阿 | 修 | 羅 | 、 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 迦 | 樓 | 羅 | 、 | 緊 | 那 | 羅 | 、 | 摩 | 侯 | 羅 | 伽 | 、 | 人 | 非 | 人 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 等 | 身 | 得 | 度 | 者 | ， | 即 | 皆 | 現 | 之 | 而 | 為 | 說 | 法 | 。 | 應 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 以 | 執 | 金 | 剛 | 神 | 得 | 度 | 者 | ， | 即 | 現 | 執 | 金 | 剛 | 神 | 而 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 為 | 說 | 法 | 。 | 」 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

## 4.([本段白話註解)](../law-book/觀世音普門品講義.docx#a4)

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | 「 | 無 | 盡 | 意 | ！ | 是 | 觀 | 世 | 音 | 菩 | 薩 | ， | 成 | 就 | 如 | 是 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 功 | 德 | ， | 以 | 種 | 種 | 形 | ， | 遊 | 諸 | 國 | 土 | ， | 度 | 脫 | 眾 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 生 | 。 | 是 | 故 | 汝 | 等 | 應 | 當 | 一 | 心 | 供 | 養 | 觀 | 世 | 音 | 菩 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 薩 | 。 | 是 | 觀 | 世 | 音 | 菩 | 薩 | 摩 | 訶 | 薩 | ， | 於 | 怖 | 畏 | 急 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 難 | 之 | 中 | ， | 能 | 施 | 無 | 畏 | ， | 是 | 故 | 此 | 娑 | 婆 | 世 | 界 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 皆 | 號 | 之 | 為 | 施 | 無 | 畏 | 者 | 。 | 」 | 無 | 盡 | 意 | 菩 | 薩 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 白 | 佛 | 言 | ： | 「 | 世 | 尊 | ！ | 我 | 今 | 當 | 供 | 養 | 觀 | 世 | 音 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 菩 | 薩 | 。 | 」 | 即 | 解 | 頸 | 眾 | 寶 | 珠 | 瓔 | 珞 | ， | 價 | 值 | 百 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 千 | 兩 | 金 | ， | 而 | 以 | 與 | 之 | ， | 作 | 是 | 言 | ： | 「 | 仁 | 者 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ！ | 受 | 此 | 法 | 施 | ， | 珍 | 寶 | 瓔 | 珞 | 。 | 」 | 時 | 觀 | 世 | 音 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 菩 | 薩 | ， | 不 | 肯 | 受 | 之 | 。 | 無 | 盡 | 意 | 菩 | 薩 | 復 | 白 | 觀 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 世 | 音 | 菩 | 薩 | 言 | ： | 「 | 仁 | 者 | ！ | 愍 | 我 | 等 | 故 | ， | 受 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 此 | 瓔 | 珞 | 。 | 」 | 爾 | 時 | 佛 | 告 | 觀 | 世 | 音 | 菩 | 薩 | ： | 「 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 當 | 愍 | 此 | 無 | 盡 | 意 | 菩 | 薩 | ， | 及 | 四 | 眾 | 、 | 天 | 、 | 龍 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 、 | 夜 | 叉 | 、 | 乾 | 闥 | 婆 | 、 | 阿 | 修 | 羅 | 、 | 迦 | 樓 | 羅 | 、 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 緊 | 那 | 羅 | 、 | 摩 | 侯 | 羅 | 伽 | 、 | 人 | 非 | 人 | 等 | 故 | ， | 受 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 是 | 瓔 | 珞 | ！ | 」 | 即 | 時 | ， | 觀 | 世 | 音 | 菩 | 薩 | ， | 愍 | 諸 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 四 | 眾 | 及 | 於 | 天 | 、 | 龍 | 、 | 人 | 非 | 人 | 等 | ， | 受 | 其 | 瓔 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 珞 | ， | 分 | 作 | 二 | 分 | ， | 一 | 分 | 奉 | 釋 | 迦 | 牟 | 尼 | 佛 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 一 | 分 | 奉 | 多 | 寶 | 佛 | 塔 | 。 | 「 | 無 | 盡 | 意 | ！ | 觀 | 世 | 音 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 菩 | 薩 | ， | 有 | 如 | 是 | 自 | 在 | 神 | 力 | ， | 遊 | 於 | 娑 | 婆 | 世 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 界 | ！ | 」 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

## 5.([本段白話註解)](../law-book/觀世音普門品講義.docx#a4)

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | 爾 | 時 | ， | 無 | 盡 | 意 | 菩 | 薩 | 以 | 偈 | 問 | 曰 | ： | 「 | 世 | 尊 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 妙 | 相 | 具 | ， | 我 | 今 | 重 | 問 | 彼 | ， | 佛 | 子 | 何 | 因 | 緣 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 名 | 為 | 觀 | 世 | 音 | ？ | 具 | 足 | 妙 | 相 | 尊 | ， | 偈 | 答 | 無 | 盡 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 意 | ， | 汝 | 聽 | 觀 | 音 | 行 | ， | 善 | 應 | 諸 | 方 | 所 | ， | 弘 | 誓 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 深 | 如 | 海 | ， | 歷 | 劫 | 不 | 思 | 議 | ， | 侍 | 多 | 千 | 億 | 佛 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 發 | 大 | 清 | 淨 | 願 | ， | 我 | 為 | 汝 | 略 | 說 | ， | 聞 | 名 | 及 | 見 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 身 | ， | 心 | 念 | 不 | 空 | 過 | ， | 能 | 滅 | 諸 | 有 | 苦 | ， | 假 | 使 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 興 | 害 | 意 | ， | 推 | 落 | 大 | 火 | 坑 | ， | 念 | 彼 | 觀 | 音 | 力 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 火 | 坑 | 變 | 成 | 池 | ， | 或 | 漂 | 流 | 巨 | 海 | ， | 龍 | 魚 | 諸 | 鬼 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 難 | ， | 念 | 彼 | 觀 | 音 | 力 | ， | 波 | 浪 | 不 | 能 | 沒 | ， | 或 | 在 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 須 | 彌 | 峰 | ， | 為 | 人 | 所 | 推 | 墮 | ， | 念 | 彼 | 觀 | 音 | 力 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 如 | 日 | 虛 | 空 | 住 | ， | 或 | 被 | 惡 | 人 | 逐 | ， | 墮 | 落 | 金 | 剛 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 山 | ， | 念 | 彼 | 觀 | 音 | 力 | ， | 不 | 能 | 損 | 一 | 毛 | ， | 或 | 值 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 怨 | 賊 | 繞 | ， | 各 | 執 | 刀 | 加 | 害 | ， | 念 | 彼 | 觀 | 音 | 力 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 咸 | 即 | 起 | 慈 | 心 | ， | 或 | 遭 | 王 | 難 | 苦 | ， | 臨 | 刑 | 欲 | 壽 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 終 | ， | 念 | 彼 | 觀 | 音 | 力 | ， | 刀 | 尋 | 段 | 段 | 壞 | ， | 或 | 囚 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 禁 | 枷 | 鎖 | ， | 手 | 足 | 被 | 杻 | 械 | ， | 念 | 彼 | 觀 | 音 | 力 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 釋 | 然 | 得 | 解 | 脫 | ， | 咒 | 詛 | 諸 | 毒 | 藥 | ， | 所 | 欲 | 害 | 身 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 者 | ， | 念 | 彼 | 觀 | 音 | 力 | ， | 還 | 著 | 於 | 本 | 人 | ， | 或 | 遇 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 惡 | 羅 | 剎 | ， | 毒 | 龍 | 諸 | 鬼 | 等 | ， | 念 | 彼 | 觀 | 音 | 力 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 時 | 悉 | 不 | 敢 | 害 | ， | 若 | 惡 | 獸 | 圍 | 繞 | ， | 利 | 牙 | 爪 | 可 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 怖 | ， | 念 | 彼 | 觀 | 音 | 力 | ， | 疾 | 走 | 無 | 邊 | 方 | ， | 蚖 | 蛇 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 及 | 蝮 | 蠍 | ， | 氣 | 毒 | 煙 | 火 | 燃 | ， | 念 | 彼 | 觀 | 音 | 力 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 尋 | 聲 | 自 | 迴 | 去 | ， | 雲 | 雷 | 鼓 | 掣 | 電 | ， | 降 | 雹 | 澍 | 大 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 雨 | ； | 念 | 彼 | 觀 | 音 | 力 | ， | 應 | 時 | 得 | 消 | 散 | ， | 眾 | 生 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 被 | 困 | 厄 | ， | 無 | 量 | 苦 | 逼 | 身 | ， | 觀 | 音 | 妙 | 智 | 力 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 能 | 救 | 世 | 間 | 苦 | ， | 具 | 足 | 神 | 通 | 力 | ， | 廣 | 修 | 智 | 方 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 便 | ， | 十 | 方 | 諸 | 國 | 土 | ， | 無 | 剎 | 不 | 現 | 身 | 。 | 種 | 種 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 諸 | 惡 | 趣 | ， | 地 | 獄 | 鬼 | 畜 | 生 | ， | 生 | 老 | 病 | 死 | 苦 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 以 | 漸 | 悉 | 令 | 滅 | ， | 真 | 觀 | 清 | 淨 | 觀 | ， | 廣 | 大 | 智 | 慧 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 觀 | ， | 悲 | 觀 | 及 | 慈 | 觀 | ， | 常 | 願 | 常 | 瞻 | 仰 | ， | 無 | 垢 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 清 | 淨 | 光 | ， | 慧 | 日 | 破 | 諸 | 暗 | ， | 能 | 伏 | 災 | 風 | 火 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 普 | 明 | 照 | 世 | 間 | 。 | 悲 | 體 | 戒 | 雷 | 震 | ， | 慈 | 意 | 妙 | 大 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 雲 | ， | 澍 | 甘 | 露 | 法 | 雨 | ， | 滅 | 除 | 煩 | 惱 | 焰 | ， | 諍 | 訟 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 經 | 官 | 處 | ， | 怖 | 畏 | 軍 | 陣 | 中 | ， | 念 | 彼 | 觀 | 音 | 力 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 眾 | 怨 | 悉 | 退 | 散 | ， | 妙 | 音 | 觀 | 世 | 音 | ， | 梵 | 音 | 海 | 潮 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 音 | ， | 勝 | 彼 | 世 | 間 | 音 | ， | 是 | 故 | 須 | 常 | 念 | ， | 念 | 念 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 勿 | 生 | 疑 | ， | 觀 | 世 | 音 | 淨 | 聖 | ， | 於 | 苦 | 惱 | 死 | 厄 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 能 | 為 | 作 | 依 | 怙 | ， | 具 | 一 | 切 | 功 | 德 | ， | 慈 | 眼 | 視 | 眾 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 生 | ， | 福 | 聚 | 海 | 無 | 量 | ， | 是 | 故 | 應 | 頂 | 禮 | 。 | 爾 | 時 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 持 | 地 | 菩 | 薩 | ， | 即 | 從 | 座 | 起 | ， | 前 | 白 | 佛 | 言 | ： |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 「 | 世 | 尊 | ！ | 若 | 有 | 眾 | 生 | ， | 聞 | 是 | 觀 | 世 | 音 | 菩 | 薩 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 品 | ， | 自 | 在 | 之 | 業 | ， | 普 | 門 | 示 | 現 | 神 | 通 | 力 | 者 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 當 | 知 | 是 | 人 | ， | 功 | 德 | 不 | 少 | 。 | 」 | 佛 | 說 | 是 | 普 | 門 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 品 | 時 | ， | 眾 | 中 | 八 | 萬 | 四 | 千 | 眾 | 生 | ， | 皆 | 發 | 無 | 等 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 等 | 阿 | 耨 | 多 | 羅 | 三 | 藐 | 三 | 菩 | 提 | 心 | 。 |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |